प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 24 अप्रैल, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन में राँची विश्वविद्यालय, राँची की प्रो॰ वंदना कुमारी एवं प्रो॰ सुधांशु कुमार (सेवानिवृत्त) द्वारा लिखित पुस्तक "Wild Leafy Vegetables and Flowers" (Nature's Potent Dietary Supplements) का लोकार्पण किया। यह पुस्तक झारखण्ड राज्य, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों में प्रचलित विभिन्न साग-सब्जियों, पत्तियों एवं फूलों के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है, जिसमें 250 से अधिक प्रकार के पत्तों एवं फूलों का विस्तृत विवरण छायाचित्रों सहित प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने इस कृति हेतु बधाई देते हुए कहा कि झारखण्ड के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में अनेक ऐसे पौधे, साग एवं फूल विद्यमान हैं, जिनका उपयोग पारंपरिक रूप से भोजन में किया जाता है तथा ये अत्यंत पौष्टिक एवं औषधीय गुणों से युक्त हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण एक गंभीर चुनौती है, जिसका समाधान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध इन पौष्टिक

साग-सब्जियों के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस पुस्तक की उपयोगिता को देखते हुए इसका हिन्दी भाषा में अनुवाद किए जाने पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि यह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके।

राज्यपाल महोदय ने यह भी उल्लेख किया कि लोक भवन, राँची परिसर में अनेक दुर्लभ एवं औषधीय पौधे विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि इन पौधों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वृक्ष पर उसका नाम अंकित कराने की पहल की गई है, जिससे आगंतुकों को उनके बारे में जानकारी प्राप्त हो सके।

उक्त अवसर पर माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी, राँची विश्वविद्यालय, राँची की कुलपति प्रो० सरोज शर्मा सहित कई शिक्षाविद उपस्थित थे।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राँची में फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी (FTS YUVA) द्वारा "भारत को हम भारत कैसे बनाएँ" विषय पर आयोजित त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन FTS YUVA NATIONAL MEET–2026 "अभिज्ञ 3.0" को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे युवा देश का वर्तमान भी हैं और भविष्य भी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसाइटी की वर्षों की यात्रा सेवा, समर्पण और सामाजिक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के उत्थान और सशक्तिकरण का एक व्यापक जन-आंदोलन है, जिसने शिक्षा, संस्कृति और आत्मगौरव के माध्यम से लाखों जीवनों को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि 'एकल' की अवधारणा के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा एवं जागरूकता पहुँचाने का जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह पहल केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संस्कारित, आत्मविश्वासी और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

माननीय राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि "भारतवासी" होने का अर्थ है अपनी संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं पर गर्व करना तथा समाज के

प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ना। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प ही भारत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देश “विकसित भारत @ 2047” के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जो केवल आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं, बल्कि समावेशी, संतुलित और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में जनजातीय समाज की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब हमारे गाँव और वनवासी क्षेत्र सशक्त होंगे, तभी भारत का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में “सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास” की भावना के साथ जनजातीय समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि “भारत को हम भारत कैसे बनाएँ” इसका उत्तर केवल नीतियों में नहीं, बल्कि हमारी सोच, आचरण और संस्कारों में निहित है। जब सब अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने का प्रयास करेंगे, तभी सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा को साकार कर सकेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे बड़े सपने देखें, समाज के लिए सोचें और राष्ट्रहित में

कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सकारात्मक प्रयास समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।